समाचार, कॉटिंग, कवरेज, अपडेट व बहुत कुछ के लिए
Nirbhik_India
के सोशल हैंडल को फॉलो करें

सूर्योदय :- 06:01 पूर्वाह्न
सूर्यास्त :- 18:07 अपराह्न

सूर्यान्चिक्षुरन्तरिक्षात्छोत्रं पृथिव्याः शरीरम् ।
सरस्वत्यावाचमुप हवयामहे मनोयुजा ।।

# निर्भिक इंडिया

हिन्दी दैनिक

Web Portal- nirbhikindia.com

नवनीत मिश्र के संपादन में गोरखपुर से प्रकाशित

## मताधिकार को व्यर्थ न करें

## चुनाव मजबूरी ही सही एलपीजी सिलेंडर के तो गिरे

## अब लाइन लगाना नही है, आप ऑनलाइन निकलवायें ई-पोस्टल ऑर्डर

RNI NO-UPHIN/2022/84588 वर्ष-01 अंक-328 गुरुवार 02 मई 2024 गोरखपुर प्रातः संस्करण पृष्ठ संख्या- 04 मूल्य - 03 रुपया

### यूपी में महिला उम्मीदवारों पर भाजपा का विश्वास कम

# यूपी में सपा ने सर्वाधिक महिला उम्मीदवार उतारे

**लखनऊ, आरएनएस-**
देश में लोकतंत्र का महापर्व यानी लोकसभा चुनाव चल रहा है. भाजपा, कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दल अधिकतर सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं. दो चरण के मतदान खत्म होने के बाद भी टिकट देने का सिलसिला जारी है. उत्तर प्रदेश में भाजपा अपना दल (एस), निषाद पार्टी, रालोद और सुभासपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है. वहीं, सपा और कांग्रेस का गठबंधन है. जबकि बसपा अकेले दम पर सभी 80 सीटों पर ताल ठोक रही है. हर चुनाव की तरह इस बार भी चुनावी मुद्दे में आधी आबादी हैं. भाजपा, कांग्रेस, सपा हो या बसपा घोषणा पत्र से लेकर भाषणों में महिलाओं को आगे बढ़ाने और समाज में भागीदारी की बातें कह रहे हैं. लेकिन इस चुनाव में राजनीतिक दलों ने आधी आबादी को कितनी तव्वजो दी है.

**भाजपा ने सिर्फ 4.8 फीसदी महिलाओं को दिया टिकट**

गौरतलब है कि 2023 में केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण बिल पास किया है, जिसे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' नाम दिया है. इस बिल नियम के मुताबिक लोकसभा के साथ-साथ राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा. यह बिल पास करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने खूब प्रचार किया और महिलाओं को हक दिलाने की बात कही. इसके अलावा पीएम मोदी से लेकर भाजपा के बड़े नेता भी चुनावी भाषणों में 'मंगलसूत्र' को बनाया है. जबकि उत्तर प्रदेश में भाजपा ने सिर्फ 4.8 फीसदी महिलाओं को टिकट दिया है. जिसमें स्मृति ईरानी (अमेठी), मेनका गांधी (सुलतानपुर), हेमा मालिनी (मथुरा), नीलम सोनकर (लालगंज), रेखा वर्मा (धरहौरा), साध्वी निरंजन ज्योति (फतेहपुर) शामिल हैं. वहीं, अपना दल (एस) प्रमुख अनुप्रिया पटेल चुनावी मैदान में हैं.

## सपा में आधी आबादी को अधिक तवज्जो

इसी तरह समाजवादी पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में दावा किया है कि परिसीमन किए बिना 2 साल में ही महिलाओं को विधानसभा और संसद में 33 फीसदी आरक्षण दिलाएगी. इसके साथ ही सरकारी नौकरियों में 33 फीसदी आरक्षण की बात कही है. जबकि 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही सपा 8 महिलाओं को मौका दिया है. यानी सिर्फ इस चुनाव में 10 फीसदी महिलाओं को टिकट सपा ने दिया है. जिसमें मैनपुरी से डिंपल यादव, कैराना से इकरा हसन, मुरादाबाद से रुचि वीरा, मेरठ से सुनीता वर्मा, हरदोई से ऊषा वर्मा, गोंडा से श्रेया वर्मा, गोरखपुर से काजल निषाद, मछलीशहर से प्रिया सरोज को टिकट दिया है. इसी तरह 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस ने अभी तक घोषित किए 15 सीटों में से सिर्फ गाजियाबाद से डॉली शर्मा को टिकट दिया है. रायबरेली और अमेठी को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है.

**महिलाओं पर बसपा ने सबसे कम जताया भरोसा**

यूपी में अकेले दम पर चुनाव लड़ रही बहुजन समाज पार्टी भी महिलाओं को लेकर वादे और दावे कर रही है. बसपा की सुप्रीमो मायावती भी खुद महिला हैं और लगातार महिला शक्ति की बात करती हैं. लेकिन आधी आबादी को टिकट देने में मायावती भी अधिक रुचि नहीं दिखाई है. बसपा ने अभी तक करीब 57 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है, जिसमें सिर्फ 5 महिलाओं को टिकट दिया है. जिसमें आगरा से पूजा अमरोही, फर्रुखाबाद से क्रांति पांडेय, इटावा से सारिका सिंह बघेल, लालगंज से इंदु चौधरी और जौनपुर से श्रीकला सिंह को उम्मीदवार बनाया है. यानि कि बसपा ने भी भाजपा की तरह 4 फीसदी महिलाओं को भागीदारी दी है.

**अभी तक कुल 52 महिलाओं को भाजपा ने दिया टिकट**

भारतीय जनता पार्टी ने अभी तक करीब 52 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है. जिसमें शोभा सुरेंद्रन, अनिता शुभदर्शिनी, बंतो कटारिया, डा. भारती पारधी, सुकांता मजूमदार, रेखा बेन, कुमारी शोभा करंदलाजे, राजरानी, स्मृति, रेखा पात्रा, पंकजा मुडे, निमुबेन बंभानिय, संख्या राय, प्रिया साह, अपराजिता सारंगी, कलाबेन केलकर, गायत्री सिद्धेश्वर, सावित्री ठाकुर, रेखा वर्मा, भारती पवार, साध्वी निरंजन ज्योति,, प्रियंका बासन, बिजुली कलिता मेधि, लॉकेट चटर्जी, माधवी लता, मंजू शर्मा, स्मिता वाघ,पूनमबेन माडम, मालविका केशरी देव, इंदी देवी जाटव, अन्नपूर्णा देवी, देबाश्री चौधरी, सरोज पांडे, नीलम सोनकर, रूप कुमार चौधरी, श्रीरूपा मित्रा चौधुरी, कंगना रनौत, हेमा मालिनी, ज्योति मिर्धा, हिना विजय गावित, निवेदिता सुब्रमण्यन, महिमा विश्वेशर सिंह, अनीता नागर, रक्षा निखिल खडसे, शोभनाबेन बरैया, लता वानखेड़े, गीतो कोड़ा, पल्लवी श्रीनिवास डेम्पो, मेनका गांधी, नीलम सोनकर शामिल हैं.

## अधीर रंजन चौधरी का वीडियो वायरल, कहते दिख रहे टीएमसी से अच्छा भाजपा

**कोलकाता, आरएनएस-**
पूर्व टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का एक कथित वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्हें लोगों से यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी के बजाय बीजेपी को वोट देना बेहतर है।

सुष्मिता देव द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में अधीर रंजन चौधरी को यह कहते हुए सुना जा सकता है- "टीएमसी को वोट क्यों दें...बीजेपी को वोट देना बेहतर है"। अधीर रंजन चौधरी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें, चौधरी लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। वहीं, सुष्मिता देव टीएमसी में शामिल होने से पहले अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष थीं।

पश्चिम बंगाल के बहरामपुर लोकसभा सीट से पांच बार के लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी ममता बनर्जी के तीखे आलोचकों में से एक हैं। वो बहरामपुर में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करते समय मंच पर थे, तभी उन्होंने बंगाली में कहा, "टीएमसी को वोट क्यों दें, बीजेपी को वोट देना बेहतर है।" अधीर रंजन चौधरी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार पल्लवी घोष ने ये वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, "अधीर रंजन चौधरी बोल रहे हैं कि टीएमसी की जगह बीजेपी को वोट दें, ऐसे में इंडी अलायंस का क्या होगा?" ऐसे में भले ही कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल 'इंडिया गठबंधन' के बैनर तले एकता का दावा कर रहे हैं, लेकिन जमीनी स्थिति उस बात से बहुत दूर है, जिस पर विपक्ष देश को विश्वास दिलाना चाहता है।

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी के बीच टकराव चल रहा है, खासकर ममता बनर्जी द्वारा इंडी गठबंधन को मामूली दो सीटों की पेशकश के बाद, जिससे दोनों राजनीतिक दलों के बीच बातचीत खत्म हो गई। इसके बाद टीएमसी ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी।

बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चौधरी द्वारा लगातार विरोध ने इंडी गठबंधन से हटने के फैसले को महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि इस बीच टीएमसी नेता सुस्मिता देव ने अधीर रंजन चौधरी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने अधीर रंजन चौधरी को बंगाल में 'बीजेपी का स्टार कैंपेनर' बताया है।

इंडिया गठबंधन बनने के दौरान पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी पहले इंडी गठबंधन में शामिल थी, लेकिन लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे में वो इंडी गठबंधन से निकल गई। दोनों ही पक्ष एक-दूसरे को बीजेपी का सहयोगी बताते हैं।

अधीर रंजन चौधरी के सामने टीएमसी ने पूर्व क्रिकेट यूसुफ पठान को मैदान में उतारा है। अधीर रंजन चौधरी बहरामपुर लोकसभा सीट से पाँच बार के सांसद हैं, लेकिन इस बार उनकी राह कठिन नजर आ रही है।

## प्रियंका गांधी ने मुस्लिम नेताओं को बताया, व्यापारी

**गोवाहाटी, आरएनएस-**
कांग्रेस पार्टी की नेता प्रियंका गांधी बुधवार को असम में थीं। यहां उन्होंने धुबरी में अपनी पार्टी के प्रत्याशी रकीबुल हुसैन के पक्ष में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और AIUDF पर जमकर निशाना साधा। AIUDF प्रमुख बदरुद्दीन अजमल पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि वो सिर्फ व्यापार कर रहे हैं न कि जनता की सेवा।

प्रियंका गांधी ने कहा कि बदरुद्दीन अजमल खुद कहते हैं कि वो एक व्यापारी हैं। वो आपके साथ सिर्फ व्यापार कर रहे हैं न कि राजनीति और सर्विस, उन्हें जहां भी फायदा दिखाई देता है, वो वहां चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और हिमंत बिस्व सरमा खरबपतियों के लिए सरकार चला रहे हैं। मोदी, हिमंत और बदरुद्दीन अजमल तीनों एक समान हैं। ये तीनों ही जनता की समस्याओं को छोड़ अन्य मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

इससे पहले प्रियंका गांधी ने जनसभा में असम सरकार पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने राज्य में 'माफिया राज' के आरोप लगाते हुए कहा कि चीफ मिनिस्टर हिमंत राज्य के कई घोटालों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि असम में हिमंत की AIUDF के बदरुद्दीन अजमल से वैसी सिक्रेट अंडरस्टैंडिंग है, जैसी तेलंगाना में बीजेपी की ओवैसी से है। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही नेता कांग्रेस को हराने के लिए काम कर रहे हैं।

**धुबरी में रकीबुल हुसैन का प्रचार करने पहुंची थीं प्रियंका**

प्रियंका गांधी धुबरी में पार्टी के प्रत्याशी और वर्तमान में विधायक रकीबुल हुसैन का प्रचार करने के लिए पहुंची थीं। धुबरी को AIUDF का गढ़ माना जता है। यहां रकीबुल हुसैन को अजमल के अलावा बीजेपी समर्थित असम गढ़ परिषद के उम्मीदवार और लोकल एमएलए जाबेद इस्लाम से चैलेंज का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी और AIUDF दोनों ही लोकल पॉलिटिक्स को अलग दिशाओं में ले गई हैं। इन दोनों दलों के बीच में सिक्रेट अंडर स्टैंडिंग और ये एक दूसरे की तारीफ करते हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि असम सीएम हिमंत ने इंटरव्यू में कहा था कि बदरुद्दीन दिल से चाहते थे कि वो मुख्यमंत्री बनें। प्रचार के दौरान उन्होंने लोगों से सवाल किया किया कि धुबरी से तीन बार सांसद चुने जाने के बाद भी बदरुद्दीन अजमल ने वहां क्या विकास कार्य करवाए।

## जेल में बंद नेता को प्रचार हेतु छूट नहीं दी जा सकती : दिल्ली उच्च न्यायालय

**नई दिल्ली, आरएनएस-**
दिल्ली हाईकोर्ट ने गिरफ्तार राजनेताओं को लोकसभा चुनाव के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये चुनाव प्रचार करने की अनुमति देने की मांग खारिज कर दी है. कार्यकारी चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि ऐसे तो दाऊद इब्राहिम भी चुनाव प्रचार करने लगेगा. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि याचिकाकर्ता लॉ का छात्र है और उन्हें आप शक्तियों के विभाजन के बारे में बताएं. कोर्ट ने कहा कि अगर इस याचिका की अनुमति दी गई तो दाऊद इब्राहिम समेत सभी अपराधी चुनाव प्रचार करने लगेंगे.

याचिका लॉ के फाइनल ईयर के छात्र अमरजीत गुप्ता ने दायर किया था. याचिकाकर्ता की ओर से वकील मोहम्मद इमरान अहमद ने कहा था कि निर्वाचन आयोग को दिशानिर्देश जारी किए जाए कि वो गिरफ्तार नेताओं को लोकसभा चुनाव में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये चुनाव प्रचार करने की अनुमति दे. याचिका में मांग की गई थी कि अगर कोई नेता या उम्मीदवार गिरफ्तार किया जाता है तो तुरंत उसकी सूचना निर्वाचन आयोग को दी जाए.

याचिका में याचिकाकर्ता ने नेताओं की गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया था. याचिका में कहा गया था कि निर्वाचन आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता की घोषणा होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया. याचिका में कहा गया था कि आम जनता को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत संबंधित राजनेता का पक्ष जानने का अधिकार है.

याचिका में कहा गया था कि देश और खासकर दिल्ली के मतदाताओं को ये हक है कि वो राष्ट्रीय पार्टी के नेता की ओर से उसकी विचारधारा और लक्ष्य की जानकारी हासिल करे. याचिका में कहा गया था कि राजनीतिक दलों के नेताओं को चुनाव के दौरान अपना प्रचार करने के अधिकार से भी वंचित किया जा रहा है. इस संबंध में विभिन्न प्राधिकार को प्रतिवेदन दिया था, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं दिया गया. जिसके बाद याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था.

## राष्ट्रपति ने किया रामलला के दर्शन

**अयोध्या, आरएनएस-**
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को अयोध्या पहुंचीं. राष्ट्रपति ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन किए. वहां पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रामलला के दर्शन करने पहुंचीं. इससे पहले महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रपति का स्वागत किया. एयरपोर्ट से राष्ट्रपति अयोध्या धाम के लिए रवाना हुईं. एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या धाम तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. जगह-जगह आवागमन रोका गया है.

राष्ट्रपति के अयोध्या आगमन को लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से खास तैयारी की गई है. राम जन्मभूमि परिसर और हनुमान गढ़ी पर फूलों से द्वार सजाए गए हैं. मंदिर में प्रवेश के लिए विशेष मार्ग को भी सजाया गया है. बता दें कि इसके पहले अयोध्या में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने दर्शन किए हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सरयू आरती में भी शामिल होंगी.

बता दें कि 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूजन बाद 5 वर्षीय रामलला की दिव्या प्रतिमा अयोध्या में स्थापित की गई थी. इसके बाद से दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों का क्रम प्रारंभ हुआ. लगभग तीन माह में देश दुनिया भर से डेढ़ करोड़ राम भक्त दर्शन करने आ चुके हैं. वहीं, देश के कई राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और वहां के कैबिनेट मंत्री भी रामलला के शरण में पहुंच चुके हैं. इसके साथ ही विदेशी प्रवासी भारतीयों के आने का क्रम भी जारी है.

## 24 घंटे में अमेठी, रायबरेली को लेकर निर्णय हो जायेगा : कांग्रेस

**नई दिल्ली, आरएनएस-**
कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक नेहरू-गांधी परिवार की पारंपरिक सीटों अमेठी और रायबरेली को लेकर चिंतित हैं। हालांकि, कांग्रेस पार्टी अब जल्द ही दोनों लोकसभा सीटों पर संस्पेंस समाप्त करने की तैयारी में है। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फैसला लेने का अधिकार दिया है।

जयराम रमेश ने कहा कि अमेठी और रायबरेली पर सीटों का सस्पेंस अगले 24 घंटे में खत्म हो जाएगा। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि ना तो कोई डरा हुआ है औ ना ही कोई भाग रहा है। कांग्रेस ने मंगलवार को एक नई लिस्ट जारी की थी। इसमें अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं करके सस्पेंस बरकरार रखा है।

**राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ने में क्या परेशानी है?**

राहुल गांधी साल 2019 के लोकसभा इलेक्शन में अमेठी की लोकसभा सीट को बीजेपी की उम्मीदवार स्मृति इरानी से हार गए थे। राहुल गांधी के लिए यह और भी बुरा होगा अगर वह दूसरी बार अमेठी से हार जातें हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के नेता कह रहे हैं कि राहुल गांधी ने वायनाड से पर्चा भरकर पहले ही अमेठी से हार मान ली है। इसके अलावा एक सवाल यह भी है कि अगर राहुल गांधी वायनाड और अमेठी दोनों जीतते हैं, तो उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। एक सीट ने उन्हें 2004 में पहली बार लोकसभा में एंट्री दिलाई और दूसरी ने उन्हें 2019 में सांसद बना दिया।

**प्रियंका गांधी के बारे में क्या?**

अगर प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ती हैं, तो वह कांग्रेस से चुनावी राजनीति में प्रवेश करने वाली नेहरू-गांधी परिवार की आठवीं सदस्य होंगी। इस बार प्रियंका गांधी चुनाव लड़ती हैं तो गांधी परिवार के तीनों सदस्य राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी संसद में होंगे। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी हाल ही में राज्यसभा सदस्य बनी हैं। प्रियंका गांधी अमेठी से चुनाव लड़ती हैं, तो इसे एक महिला नेता को दूसरे (इरानी) के खिलाफ खड़ा करने के लिए कांग्रेस द्वारा एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने दोनों ही लोकसभा सीट पर प्रचार किया है। उनको दोनों लोकसभा सीटों में से किसी एक से भी चुनाव लड़ने में कोई परेशानी नहीं होगी।

अमेठी संसदीय क्षेत्र 1967 में बनाया गया था और 2019 के लोकसभा चुनाव तक कांग्रेस का गढ़ था। इस सीट पर जब तक केवल दो ही कांग्रेसी दलों का शासन रहा था। वह भी केवल चार साल के लिए। सबसे पहले 1977 में आपातकाल के बाद था, जब जनता पार्टी का एक उम्मीदवार जीता और 1980 तक लोकसभा में उसका प्रतिनिधि बना रहा। 1980 में संजय गांधी ने अमेठी से जीत हासिल की, लेकिन एक साल बाद एक विमान हादसे में उनकी मौत हो गई। इसकी वजह से 1981 में उपचुनाव कराना पड़ा। उनके भाई राजीव गांधी ने चुनाव जीता और निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 1984 में इस सीट पर कब्जा किया और उन्हें उनकी भाभी मेनका गांधी ने चुनौती दी, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ रही थीं।

राजीव गांधी ने 1989 में महात्मा गांधी के पोते जनता दल के राजमोहन गांधी के खिलाफ फिर से अमेठी जीती। 1991 में राजीव गांधी चुनाव जीते लेकिन अमेठी में मतदान के कुछ ही दिन बाद उनकी हत्या कर दी गई। हालांकि, वोटों की गिनती के बाद उन्हें विजेता घोषित कर दिया गया, लेकिन उपचुनाव कराना पड़ा। कांग्रेस के सतीश शर्मा ने 1991 में निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और 1998 तक इस सीट पर रहे। 1998 में राजकुमार संजय सिंह ने भाजपा के टिकट पर अमेठी से जीत हासिल की।

जब सोनिया गांधी ने 1999 में अमेठी से चुनाव लड़ने का फैसला किया, तो सिंह को एक बार फिर गांधी से भारी चुनावी हार का सामना करना पड़ा। सोनिया गांधी 48 फीसदी के जीत अंतर के साथ 3,00,000 से अधिक वोटों से जीतीं। राहुल गांधी ने 2004 के लोकसभा चुनाव में अमेठी को अपनी राजनीतिक एंट्री के लिए चुना और सोनिया गांधी रायबरेली सीट पर चली गईं। राहुल गांधी ने अपना पहला लोकसभा चुनाव जीता और 2009 में फिर से जीत हासिल की। इसके बाद राहुल गांधी ने 2014 में भी जीत की हैट्रिक लगाई।

## राजनाथ : डायनासोर की तरह समाप्त हो जायेंगा कांग्रेस

**आगरा, आरएनएस-**
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को बदायूं से भाजपा प्रत्याशी दुर्विजय सिंह और आंवला लोकसभा सीट से उम्मीदवार सांसद धर्मेंद्र कश्यप के समर्थन में दातागंज में जनसभा को संबोधित किया. मंच से राजनाथ सिंह ने जहां कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला बोला, वहीं भाजपा और मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं. राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस तो देश से ऐसे गायब हो जाएगी, जैसे धरती से डायनासोर गायब हो गए. इसी तरह आने वाले समय में जब लोग बच्चों से सपा के बारे में पूछा करेंगे तो बच्चे समाजवादी पार्टी ही बता पायेंगे. उन्होंने कहा कि साइकिल की चेन उतर गई है, अब इसे को चढ़ने मत देना. राहुल गांधी की कहीं से कहीं तक प्रधानमंत्री बनने को कोई संभावना नहीं है.

## सपा विधायक के चाचा पर मुकदमा

**संभल, आरएनएस-**
अखिलेश यादव की मौजूदगी में मंच से विवादित भाषण देने के मामले में बिलारी विधानसभा के सपा से विधायक फहीम के चाचा और सपा जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद उस्मान के खिलाफ बुधवार को आचार संहिता उल्लंघन में केस दर्ज किया है. दुर्दांत अपराधियों के नाम पर वोट मांगने का आरोप में उस्मान के खिलाफ मुरादाबाद जनपद के बिलारी थाने में दर्ज किया गया है.

बता दें कि 28 अप्रैल को संभल से सपा प्रत्याशी जियाउर्रहमान बर्क के समर्थन में सपा मुखिया अखिलेश यादव जनसभा की संबोधित करने पहुंचे थे. संभल लोकसभा में मुरादाबाद जनपद की विधानसभा बिलारी और कुंदरकी आती है. इसलिए यह जनसभा बिलारी में हो रही थी. अखिलेश की जनसभा के मंच से सपा विधायक के चाचा और सपा नेता मोहम्मद उस्मान ने विवादित बयान दिया था. उन्होंने मंच से कहा था कि इस बार लोकसभा चुनाव में लखीमपुर खीरी में जो कार से किसान कुचले गए उनको सजा देने के लिए वोट करें. किसान हित और एमएसपी कानून बनवाने के लिए वोट करें. कॉरपोरेट के लिए काम करने वाली सरकार के खिलाफ और महिला पहलवानो को घसीटने वालों के खिलाफ लिए वोट करे.

# सम्पादक की कलम से

## फटकार की जरूरत थी

भ्रामक विज्ञापनों की सुनवाई का दायरा बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंतजलि आयुर्वेद को कड़ी फटकार लगाई। अपनी दवाओं के लिए भ्रामक दावों को लेकर अदालत की अवमानना करने पर सुनवाई चल रही है।अदालत ने आदेश जारी किया कि वह बड़े साइज में माफीनामे का विज्ञापन जारी करें। रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत को बताया कि माफीनामा 67 अखबारों में दिया गया है। इस पर अदालत ने जानना चाहा कि क्या यह पिछले विज्ञापनों के आकार का था।रोहतगी के इस पर केवल दस लाख रुपये खर्च करने पर कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त की। साथ ही, यह भी कहा कि हमें पंतजलि के खिलाफ ऐसी याचिका दायर करने के लिए

आईएमए पर एक हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने की मांग की गई है जिस पर अदालत ने प्रॉक्सी याचिका होने का संदेह व्यक्त किया।केंद्र को इस पर जागना चाहिए कहते हुए देश की सबसे बड़ी अदालत ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी लताड़ लगाई। पंतजलि आयुर्वेद के उत्पादों और उनके चिकित्सकीय प्रभावों के विज्ञापनों से संबंधित अवमानना कार्रवाई के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को अपने समक्ष पेश होने का आदेश दिया था।यह सुनवाई इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर जारी है। पंतजलि योगपीठ को भी अब सेवा शुल्क का भुगतान करना होगा, जुर्माना और ब्याज के रूप में उसे साढ़े चार करोड़ रुपये भी अदा करने हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार रामदेव की नेटवर्थ चौदह सौ करोड़ रुपये से ज्यादा की है।पंतजलि का कुल रेवन्यू तीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। नि:संदेह उन्होंने आयुर्वेद और योग को पुन: प्रचारित करने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसके अलावा, योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रति आमजन में ललक पैदा करने में भी उन्होंने महती भूमिका निभाई है।मगर इसके लिए भ्रम फैलाने या भ्रामक विज्ञापनों के जरिए जनता को बरगलाने की उन्हें छूट तो नहीं ही मिल सकती। मंत्रालय को भी इसके लिए दोषी माना जाना जरूरी है। बात यहां अकेले पंतजलि की नहीं है, बल्कि कोई भी कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए यदि इस तरह का भ्रम फैलाने की कोशिश करती है तो उस पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।साथ ही, भविष्य में भी इस तरह की हरकत करने पर भारी जुर्माना जड़ा जाना चाहिए। मरीजों और उपभोक्ताओं के अधिकारों को लेकर जिस तरह की लापरवाही अपने यहां जारी है, उसे रोकने के कड़े कदम तत्काल उठाए जाने बेहद जरूरी हैं।

# आँखे खोलो इंडिया

## मताधिकार का सही उपयोग करें

अभी आम चुनाव का प्रथम चरण ही पूरा हुआ है पर ऐसा नहीं लगता कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव जैसी कोई महत्त्वपूर्ण घटना घट रही है। चारों ओर एक अजीब-सा सन्नाटा पसरा हुआ है।न तो गांव, और न ही कस्बों और शहरों में राजनैतिक दलों के होर्डिंग्स और पोस्टर दिखाई दे रहे हैं, और न ही लाऊडस्पीकर पर वोट मांगने वालों का शोर सुनाई दे रहा है, चाय के ढाबों और पान की दुकानों पर अक्सर जमा होने वाली भीड़ भी खामोश है। जबकि पहले चुनावों में ये शहर के वो स्थान होते थे जहां से मतदाताओं की नब्ज पकडऩा आसान होता था।आज मतदाता खामोश हैं। इसका क्या कारण हो सकता है। संभव है कि मतदाता तय कर चुके हैं कि उन्हें किसे वोट देना है पर अपने मन की बात को जुबान पर नहीं लाना चाहते। क्योंकि उन्हें इसके संभावित दुष्णरिणामों का खतरा नजर आता है। यह हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अच्छा लक्षण नहीं है। जनसंवाद के कई लाभ होते हैं। एक तो जनता की बात नेता तक पहुंचती है और दूसरा ऐसे संवादों से जनता जागरुक भी होती है। अलबत्ता, शासन में जो दल बैठा होता है, वो कभी नहीं चाहता कि उसकी नीतियों पर खुली चर्चा हो। दरअसल, उसे इससे माहौल बिगडऩे का खतरा रहता है। हर शासक यही चाहता है कि उसकी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर मतदाता के सामने पेश किया जाए। इंदिरा गांधी से नरेन्द्र मोदी तक कोई भी इस मानसिकता का अपवाद नहीं रहा है। आम तौर पर यह माना जाता था कि मीडिया सचेतक की भूमिका निभाएगा।पर मीडिया को भी खरीदने और नियंत्रित करने पर हर राजनैतिक दल अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करता है जिससे उसका प्रचार होता रहे।

पत्रकारिता में इस मानसिकता के जो अपवाद होते हैं वे यथासंभव निष्णक्ष रहने का प्रयास करते हैं ताकि परिस्थितियों और समस्याओं का सही मूल्यांकन हो सके। पर इनकी पहुंच बहुत सीमित होती है, जैसा आज हो रहा है। ऐसे में मतदाता तक सही सूचनाएं नहीं पहुंच पातीं। अधूरी जानकारी से जो निर्णय लिए जाते हैं, वो मतदाता, समाज और देश के हित में नहीं होते जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है। सब मानते हैं कि किसी भी देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही सबसे अच्छी होती है क्योंकि इसमें समाज के हर वर्ग को अपनी सरकार चुनने का मौका मिलता है।इस शासन प्रणाली के अंतर्गत आमजन को अपनी इच्छा से चुनाव में खड़े हुए किसी भी प्रत्याशी को वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होता है। इस तरह चुने गए प्रतिनिधियों से विधायिका बनती है। एक अच्छा लोकतंत वह है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। देश में यह शासन प्रणाली लोगों को सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करती हैं। आज भारत में जो परिस्थिति है, उसमें जनता भ्रमित है। उसे अपनी बुनियादी समस्याओं की चिंता है पर उसके एक हिस्से के दिमाग में भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं ने यह बैठा दिया है कि नरेन्द्र मोदी अब तक के सबसे श्रेष्ठ और ईमानदार प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वे तीसरी बार फिर जीतकर आएंगे, जबकि जमीनी हकीकत अभी अस्पष्ट है। क्षेत्रीय दलों के नेता काफी तेजी से अपने इलाके के मतदाताओं पर पकड़ बना रहे हैं। और उन सवालों को उठा रहे हैं, जिनसे देश का किसान, मजदूर और नौजवान चिंतित है। इसलिए उनके प्रति आम जनता की अपेक्षाएं बढ़ी हैं, इसलिए इंडिया0 गठबंधन के नेताओं की रैलियों में भरी भीड़ आ रही है। जबकि भाजपा की रैलियों का रंग फीका है।हालांकि चुनाव की हवा मतदान के 24 घंटे पहले भी पलट जाती है। इसलिए पहले से कुछ कहा नहीं जा सकता। 1970 के दशक में हुए जयप्रकाश आंदोलन के बाद से किसी भी राजनैतिक दल ने आम मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए प्रशिक्षित नहीं किया है जबकि अगर ऐसा किया होता तो इन दलों को चुनाव के पहले मतदाताओं को खैरात बांटने और उनके सामने लंबे-चौड़े झूठे वादे करने की नौबत नहीं आती। हर दल का अपना एक समर्पित काडर होता जबकि आज काडर के नाम पर पैसा देकर कार्यकर्ता जुटाए जाते हैं, या वे लोग सक्रिय होते हैं, जिन्हें सत्ता मिलने के बाद सत्ता की दलाली करने के अवसरों की तलाश होती है। ऐसे किराये के कार्यकर्ताओं और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का अभाव ही दल बदल का मुख्य कारण है। इससे राजनेताओं की और उनके दलों की साख तेजी से गिरी है। एक दृष्टि से इसे लोकतंत्र के पतन का प्रमाण माना जा सकता है।हालांकि दूसरी ओर, यह मानने वालों की भी कमी नहीं है कि इन सब आंधियों को झेलने के बावजूद भारत का लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उसके करोड़ों आम मतदाताओं ने बार-बार राजनैतिक परिपक्वता का परिचय दिया है, जब उन्होंने बिना शोर मचाए अपने मत के जोर पर कई बार सत्ता परिवर्तन किए हैं। मतदाता की राजनैतिक परिपक्वता का एक और प्रमाण यह भी है कि अब निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रभाव लगभग समाप्त हो चला है। 1951 के आम चुनावों में 6त्न निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे जबकि 2019 के चुनाव में इनकी संख्या घटकर मात्र 0.11त्न रह गई। स्पष्ट है कि मतदाता ऐसे उम्मीदवारों के हाथ मजबूत नहीं करना चाहता जो अल्पमत की सरकारों से मोटी रकम ऐंठ कर समर्थन देते हैं। मतदाताओं की अपेक्षा और विश्वास संगठित दलों और नेताओं के प्रति है। ऐसे में वे अपने कर्त्तव्य का सही से पालन करें। आम जन के रूप में हमें निराश नहीं होना है। हमारी हरसंभव कोशिश होनी चाहिए कि हमारे परिवार और समाज में राजनीति के प्रति समझ बढ़े और हर मतदाता अपने मत का प्रयोग सोच समझ कर करे। कोई नेता या दल मतदाता को भेड़-बकरी समझ कर हांकने की जुर्रत न करे।

**लेखक- विनीत नारायण**

# कुछ विशेष

## वादे नही नतीजा चाहिए

कई वजहों हमारा पर्यावरण और वातावरण दूषित हो रहा है, जिसके हम किस्तों में शिकार बन रहे हैं। मिलावटी खाद्य पदाथरे के कारण हम पहले से ही कई बीमारियों की जद में हैं, लगातार प्रदूषण के कारण हमारी सांसें उखड़ रही हैं तो आए दिन जलवायु परिवर्तन की वजहों से हमें अकल्पनीय विपत्तियों के दौर से गुज़रना पड़ रहा है। उस पर घातक व मारक माइक्रो प्लास्टिक ने हमें चिंता में डाल दिया है। प्लास्टिक के कण जाने-अनजाने में हमारी आंखों से होते हुए शरीर के महत्त्वपूर्ण अंगों तक पहुंच रहे हैं, जो हमारे दिमाग पर भी असर डालने लगा है। दिमाग तक असर डालने का मतलब मानव जाति के लिए प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खतरनाक संदेश दे रहे हैं। इसलिए हमें इस खतरे को देखते हुए पहले ही चेत जाना चाहिए।द यूनिर्वसटिी ऑफ न्यू मैक्सिको एंड हेल्थ साइंसेज से जुड़े वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में यह दावा किया है कि माइक्रो प्लास्टिक ने हमें गहरे तौर पर अपने शिकंजे में ले लिया है, इससे छुटकारा पाने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे, वरना स्थिति बहुत भयावह होने वाली है। अध्ययन के मुताबिक प्लास्टिक प्रदूषण के महीन कण भोजन, पानी और हवा में घुल चुके हैं जो न केवल हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं बल्कि हमारे आंतों से होते हुए शरीर के अन्य अहम अंगों जैसे गुर्दा, लीवर और मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। दूसरा अध्ययन यह भी बताता है कि माइक्रो प्लास्टिक समुद्री जानवर और पौधों में भी पाए गए हैं। इतना ही नहीं, हम जिस बोतल बंद पानी को शान से शुद्धता की दुहाई देकर पीते हैं उनमें भी माइक्रो प्लास्टिक के अंश मिल रहे हैं।यह बेहद महीन कण होते हैं जिसे हम नंगी आंखों से नहीं देख सकते, जो अत्यंत जहरीले और केमिकल की शक्ल में होते हैं। आज प्लास्टिक किसी न किसी रूप में घर-घर में घुस चुका है जिससे छुटकारा पाना बेहद कठिन प्रतीत होता है। प्लास्टिक कप, थर्मोकोल, सजावट के समान, प्लास्टिक स्ट्रॉ, पैकेजिंग फिल्म, पीवीसी बैनर, गुब्बारे लगाने वाली प्लास्टिक की डांडिया, प्लास्टिक बैग, झंडा, टॉफी कैंडी के स्टिक, प्लास्टिक के बर्तन, शादी कार्ड, मिठाई के डब्बे, दवा की की बोतलें, बाल्टी आदि से लेकर सैकड़ों घरेलू वस्तुएं जो हमारे दैनिक जीवन व्यवहार में हैं, उनसे छुटकारा पाना बेहद कठिन प्रतीत होता हैं। हालांकि सरकार और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की पहल से सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्प समय-समय पर सुझाए गए हैं। कई योजनाओं पर काम भी चल रहे हैं। मगर इसके खतरनाक परिणाम को लोग अभी भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मोटा-मोटी जूट बैग, प्लैटिनम, सिलिकॉन, स्टेनलेस स्टील, कांच, मिट्टी के बर्तन या चीनी मिट्टी के उत्पादों का इस्तेमाल करके हम इस खतरे से थोड़ा बच सकते हैं। प्लास्टिक पर्यावरण वन्य जीवन और आमजन के लिए सबसे बड़ा खतरा है।यह प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है और इससे निकलने वाले जहरीले रसायन भूजल को प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे घातक जानलेवा बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने माइक्रो प्लास्टिक की मात्रा की पहचान करने के लिए चूहों पर अध्ययन किया जिसमें पाया कि चूहे तो सिर्फ चार सप्ताह के लिए माइक्रो प्लास्टिक के संपर्क में आए थे तब उनमें कई तरह की खतरनाक बदलाव देखे गए। शोधकर्ताओं ने इंसानी शरीर में जमा होते माइक्रो प्लास्टिक को लेकर गहरी चिंता जताई है क्योंकि धीरे-धीरे हमारे शरीर के अंगों से होते हुए अब यह इंसानी मस्तिष्क को प्रभावित करने लगा है।सरकार इस समस्या के निदान के लिए कार्य तो कर रही हैं, लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई जो चिंताजनक है। गौरतलब है कि पूरे देश में एक जुलाई 2022 को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के 20 आइटमों को प्रतिबंधित किया गया था। दिल्ली में इन आइटमों पर प्रतिबंध के बावजूद रोक अब तक प्रभावी नहीं दिखी है। अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी यानी डीपीसीसी ने इसके लिए एसओपी तैयार कर ली है। दिल्ली में लंबे वक्त से सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर रोक लगी हुई है। बार-बार अभियान चलाए जाने के बावजूद ये रोक असरदार साबित नहीं हुई है। बड़ी बात यह है कि इनका उत्पादन और बिक्री बंद नहीं हुई है। दिन-ब-दिन प्लास्टिक हमारे ईको-सिस्टम को बर्बाद कर रहा है। इसका संयुक्त भार प्रतिवर्ष करीब 300 मिलियन टन है जो जलमागरे और समुद्रों को अवरुद्ध कर रहा है, सड़कों को जाम कर रहा है, वन्यजीवों को नुकसान पहुंचा रहा है और हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है।भविष्य की भयावह स्थिति से निपटने के लिए राज्य और केंद्र सरकार को और चुस्त होने की आवश्यकता है। उन्हें जागरुकता के लिए कई स्तरों पर काम करना चाहिए। यदि स्कूली पाठ्यक्रम में बच्चों को शुरु से ही प्लास्टिक के दुर्गुणों के बारे में बताया जाए तो कुछ हद तक प्लास्टिक पर नियंत्रण की कोशिश सफल हो सकती है। स्कूलों के करिकुलर एक्टिविटीज में प्लास्टिक के दुष्णरिणाम के बारे में बताया जाना चाहिए। हफ्ते या महीने में प्लास्टिक पर परिचर्चा जागरुकता अभियान और कार्यशाला आयोजित किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर इस संकट को हल्के में न लेते हुए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए।

**लेखक- सुशील देव**

# विविध समाचार

## स्ट्रेस यह क्या होता है, अब आप यह कहेगें

**विविध समाचार-**

रोजाना कुछ देर डांस करके सेहतमंद बन सकते हैं. एक्सपर्ट्स इसे मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए फायदेमंद मानते हैं. उनका कहना है कि डांस से पूरी बॉडी एक्टिव होती है और तनाव दूर हो सकता है.रोजाना कुछ देर डांस करके सेहतमंद बन सकते हैं. एक्सपर्ट्स इसे मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए फायदेमंद मानते हैं. उनका कहना है कि डांस से पूरी बॉडी एक्टिव होती है और तनाव दूर हो सकता है.डांस सेहत के लिए फायदेमंद

माना जाता है. डांस करने से पूरी बॉडी एक्टिव होती है और तनाव भी दूर होता है.इसका मकसद डांसर्स का उत्साह बढ़ाना और डांस के अलग-अलग फॉर्म्स को बढ़ावा देना है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हर दिन 15-20 मिनट डांस करके ही कई फायदे पा सकते हैं, इसलिए अपना मनपसंद गाना लगाकर कुछ देर थिरक सकते हैं. ऐसे में आइए जानते हैं डांस करने से सेहत को क्या-क्या फायदे मिलते हैं...डांस करने से फैट बहुत तेजी से कम होता है. अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो डांस करना फायदेमंद हो सकता है. जुंबा, बेली, क्लासिकल, हिप हॉप करके मोटापा-वजन कम कर सकते हैं.रोजाना डांस करने से बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है और हड्डियों में ताकत आ जाती है.डांस करने से मेमोरी बेहतर होती है. कुछ स्टडी में पाया गया है कि डांस करने से डिमेंशिया के लक्षण भी कम हो सकते हैं.डांस करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है. शरीर में सही तरह ब्लड पहुंचता है और कई अंग सही तरह काम करते हैं.डांस करने से तनाव दूर हो सकता है. इससे डिप्रेशन जैसी समस्याएं झट से दूर हो जाती हैं. इसे डिप्रेशन भगाने की अच्छी थेरेपी माना जाता है.थोड़ी देर डांस करके हार्ट को हेल्दी बनाया जा सकता है. यह एक शानदार कॉर्डियो वर्कआउट माना जाता है.00एक नहीं है स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्या, जानें तीनों मेंटल कंडीशंस में क्या है अंतर

## तीनों मेंटल स्थिती में क्या होता अंतर

**विविध समाचार-**

एंग्जायटी और डिप्रेशन दोनों मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याएं हैं. दोनों ही खतरनाक मानी जाती हैं. यही कारण है कि डॉक्टर हमेशा इनसे बचने और सावधान रहने के लिए कहते हैं. कई बार सामान्य उदासी और तनाव को लोग एंग्जायटी और डिप्रेशन मान लेते हैं, जो गलत है. क्या आप एंग्जायटी और डिप्रेशन में अंतर जानते हैं. अगर नहीं तो इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं दोनों के बीच का फर्क...

**एंग्जायटी क्या होता है**

यह एक तरह का ऐसा मेंटल डिसऑर्डर होता है, जिसे चिंता, डर या आशंका से जोड़कर डॉक्टर देखते हैं. छोटी सी भी बात पर एकदम से घबरा जाना और बेचैन हो जाना इसके

लक्षण होते हैं. इसके अलावा किसी चीज से डरना और उसे सोच-सोचकर तनाव महसूस करना, दिल की धड़कनों का बढऩा, ओवरथिंकिंग एंग्जायटी होता है. ऐसी स्थितियां होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलकर बात करनी चाहिए.

**एंग्जायटी के लक्षण**

* समय-समय पर बेचैनी
* चिड़चिड़ापन
* मांसपेशियों में तनाव
* ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई
* दिल की धड़कनें बढऩा
* अधिक पसीना आना
* कांपना और सांस लेने में दिक्कतें

**डिप्रेशन क्या होता है**

डिप्रेशन यानी अवसाद मूड से जुड़ा डिसऑर्डर है, जिसकी चपेट में आने पर इंसान हमेशा उदास रहता है, किसी काम में मन नहीं लगता है. वो काम भी बुरे लगने लगते हैं, जो कभी बहुत ज्यादा पसंद आते थे. इसे एंग्जायटी से ज्यादा खतरनाक माना जाता है. अगर इसका सही समय पर इलाज न करवाया जाए तो स्थिति बिगड़ सकती है. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि गंभीर मामलों में डिप्रेशन का शिकार व्यक्ति सुसाइड तक की सोचने लगता है. डिप्रेशन मौत का कारण भी बन सकता है.

**डिप्रेशन के लक्षण**

* लगातार उदास रहना
* थकान, भूख या वजन में बदलाव
* नींद में गड़बड़ी, अपराध की भावना
* ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई
* सुसाइड का ख्याल मन में आना

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 74 वाँ स्थापना दिवस

# आभासी तौर पर जुड़ी यूपी के राज्यपाल आंनदीबेन पटेल

**गोरखपुर, संवाददाता-**
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का 74वां स्थापना दिवस समारोह सकुशल संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल वर्चुअल जुड़कर अध्यक्षता की। इस दौरान कुलपति ने 112 मेधावी छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल भी दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति प्रो पूनम टंडन तथा विशिष्ट पुरातन छात्रों द्वारा जल संचयन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक सहित कुल 112 स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। महामहिम की गरिमामयी उपस्थिति में मेधावियों विद्यार्थियों को 48 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक तथा 64 स्मृति स्वर्ण पदक दिया गया। इसके साथ ही युवा महोत्सव, सांस्कृतिक, क्रीड़ा प्रतियोगिताओं तथा एन.एस.एस./एन.सी.सी. की विभिन्न प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय, राज्य या क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इसके बाद ललित कला एवं संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत तथा कुलगीत की प्रस्तुति की गई।

कुलपति ने किया संबोधित

वर्चुअल उद्बोधन में कुलाधिपति ने कहा कि किसी भी सभ्यता, किसी भी देश, किसी भी नगर की तरह संस्थाओं के इतिहास में स्थापना दिवस का विशेष महत्व होता है। वह दिन उसकी जीवन यात्रा का प्रस्थान बिंदु होता है और उसके मूल्यांकन का पहला मानक भी स्थापना दिवस के आयोजन से जहां परंपराओ का स्मरण होता है तो वहीं वर्तमान प्रगति के मूल्यांकन और भविष्य की योजनाओं की रुप-रेखा तैयार करने का अवसर भी प्राप्त होता है। गोरखपुर की पावन धरा का अपना एक विशिष्ट ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। यह महात्मा बुद्ध, भगवान महावीर, गुरु गोरक्षनाथ, संत कबीर दास आदि अनेक महापुरुषों की पवित्र भूमि रही है। मैं ऐसी पावन धरती को नमन करती हूँ।

**दीनदयाल उपाध्याय की हुई बात**

उन्होंने कहा की विश्वविद्यालय का नाम एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी से जुड़ा हुआ है। पंडित जी अत्यंत उच्च कोटि के दार्शनिक एवं विचारक थे, जिन्होंने इस बात पर बल दिया कि देश की आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था भारतीय संस्कृति की बुनियाद पर ही निर्धारित और नियोजित होनी चाहिए। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने सात दशकों से अधिक की अपनी अनवरत यात्रा में समाज के सभी क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करायी है। यह आप सभी की कार्य कुशलता का ही परिणाम है कि दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन में 'ए प्लस प्लस' श्रेणी प्राप्त कर देश के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची मे अपना नाम दर्ज कराया है। अभी हाल ही में आपने क्यू0एस0वर्ल्ड रैंकिंग में दक्षिण एशिया क्षेत्र में दो सौ अट्ठावनवीं (258वीं) की रैंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर पुनः अपने आपको प्रमाणित किया है। यूनिवर्सिटी के शिक्षक साल दर साल अपने विद्यार्थियों के Intellectual, Academic और Physical Development को निखारते हैं तथा छात्रों का सामर्थ्य बढ़ाते हैं। छात्र अपने सामर्थ्य को पहचानें, इसमें भी शिक्षकों की बड़ी भूमिका होती है।

## 7 पेटेंट रजिस्टर कराए

विश्वविद्यालय को मिला यूजीसी से खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को समान रुप से प्रोत्साहित करते हुए हमने उत्कृष्ट शोध की ओर भी कदम बढ़ाया है। बीते एक माह में विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने 7 पेटेंट रजिस्टर कराए हैं। 15 पेटेन्ट स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं। हमारा लक्ष्य इस वर्ष 50 नये पेटेन्ट रजिस्टर कराने का हैं। विश्वविद्यालय आज दो महत्वपूर्ण सेवाओं की शुरुआत कर रहा हैं। हमारे विद्यार्थी अपने अंकपत्रों, उपाधियों को प्राप्त करने के लिये परेशान न हों और इन्हें परीक्षा से लेकर उपाधि तक घर बैठे प्राप्त हो सके, इसके लिये एक पोर्टल-SERVE का लोकार्पण माननीया कुलाधिपति जी के करकमलों से किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सैंमसंग इनोवेशन कैम्पस कार्यक्रम स्वदेश का भी शुभारम्भ हो रहा है जिसमें विद्यार्थियों को स्किल डेवेलोपमेंट के क्षेत्र में अनेक पाठ्यक्रम एवं अवसर प्राप्त होंगे।

ग्रेड 1 यूनिवर्सिटी का दर्जा: कुलपति

अपने स्वागत उद्बोधन में कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा की आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में स्थापित यह प्रथम विश्वविद्यालय आज अपने अमृत काल में प्रवेश कर रहा है। यह विश्वविद्यालय देश के उन शीर्ष विश्वविद्यालयों में शामिल है जिसने नैक मूल्यांकन में ए डबल प्लस श्रेणी अर्जित करने के साथ साथ दुनिया भर की अनेक रैंकिंग सूचियों में अपना स्थान बनाया है। विश्वविद्यालय को भारत सरकार की पीएम-ऊषा योजना के अन्तर्गत शोध एवं नवाचार के लिये चयनित करते हुए 100 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। यूजीसी ने विश्वविद्यालय को ग्रेड 1 यूनिवर्सिटी के रुप में चिन्हित किया है। विश्वविद्यालय ने अथक परिश्रम से सत्र नियमन, परीक्षा और परिणामों की घोषणा में उल्लेखनीय सफलता पायी है। देश ही नहीं दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण शिक्षा संस्थानों के साथ एमओयू साइन किये हैं। हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरुप अनेक महत्वपूर्ण सुधार किये हैं। हम इस वर्ष से 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम प्रारम्भ कर दिये हैं। विवि पाठ्यक्रमों को यूजीसी एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरुप डिजाइन करने वाले अग्रणी परिसरों में से एक है।

**पुरातन छात्रों को मिला सम्मान**

स्थापना दिवस समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट पुरातन छात्रों में पद्म श्री प्रो. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, अतुल सर्राफ़, डॉ एलके पाण्डेय, श्रीमती निर्मला एस चंद्रा, पूर्व आईपीएस जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं भारतीय रेल सेवा के डॉ. स्वामी प्रकाश पाण्डेय को सम्मानित किया गया।

# अब खुले में करिए बीयर का सेवन

**गोरखपुर, संवाददाता-**
देसी शराब खरीदकर तत्काल गटकने के लिए दुकान में ही इंतजाम होता हैं। लेकिन अंग्रेजी शराब और बीयर के शौकीनों को या तो मॉडल शॉप की तलाश करनी पड़ती हैं। या फिर सड़क या कार में ही जाम छलकाना होता हैं। ऐसे में कई बार अच्छे घरों के लोग भी पुलिस की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में आबकारी विभाग ने बीयर के दुकानदारों को सहूलियत दे दी हैं। अब बीयर का लाइसेंस लेने वाले 5000 रुपये का शुल्क लेकर दुकान से सटे ही स्थान देकर बीयर पीने की छूट दे सकते हैं।

आबकारी विभाग के नये आदेश के बाद अब बीयर के लाइसेंसी सिर्फ 5000 रुपये सालाना फीस जमा कर बिठा की पिलाने की

## इस शर्त पर पिलाने की मिलेगी छूट

आबकारी विभाग की जिले में बीयर की 113 दुकानें हैं। विभाग द्वारा सभी लाइसेंसी को इस नई सुविधा की जानकारी दी जा रही है। आबकारी विभाग ने फीस जमा करने के लिए एक एकाउंट नंबर भी जारी कर दिया है। विभाग के मुताबिक, बीयर की दुकान से 20 मीटर के दायरे में ही बिठाकर पिलाने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही जहां बैठकर बीयर पीने की सुविधा मिलेगी उसका एरिया 100 वर्ग फीट से अधिक नहीं होना चाहिए। वहीं यहां पीने के अलावा कुछ खाने का इंतजाम नहीं किया जा सकेगा। वैसे विभाग की तरफ से देसी शराब की दुकानों पर बिठाकर पिलाने की सुविधा पहले से ही है। वहीं अंग्रेजी शराब और बीयर के लिए मॉडल शॉप भी खुले हैं। जहां खाने की वस्तुएं भी मिलती हैं। लेकिन जिले की 13 मॉडल शॉप की फीस काफी अधिक होती है।

सुविधा का लाभ ले सकते हैं। ऐसे में आबकारी विभाग का राजस्व तो बढ़ेगा ही, शौकिनों को भी दिक्कत नहीं होगी। शौकीन दलील देते हैं कि गर्मी में ठंडी बीयर के शौकीन सार्वजनिक स्थान पर पीते हैं तो हमें पुलिस के डंडे का खौफ रहता है। घर लेकर जाएं तो परिवार और पत्नी का खौफ रहता है। एक शौकीन की दलील है कि दुकान से ठंडी बीयर चंद मिनटों में हलक के नीचे नहीं उतारा जाए तो वह गर्म हो जाती है। दुकान पर खड़े होकर पी नहीं सकते हैं। जिला आबकारी अधिकारी महेन्द्र प्रताप सिंह का कहना है कि विभाग की तरफ से बिठाकर बीयर पिलाने की सुविधा दी जा रही है। इसे लेकर सभी लाइसेंसी को सूचना दे दी गई है। जल्द ही फीस जमा करने के लिए हेड दे दिया जाएगा। जिसके बाद सभी लाइसेंसी को इसका लाभ मिलेगा।।

# नई मौद्रिक नीति पर गोरखपुरवासियों की राय लेने आ रही है आरबीआई की टीम

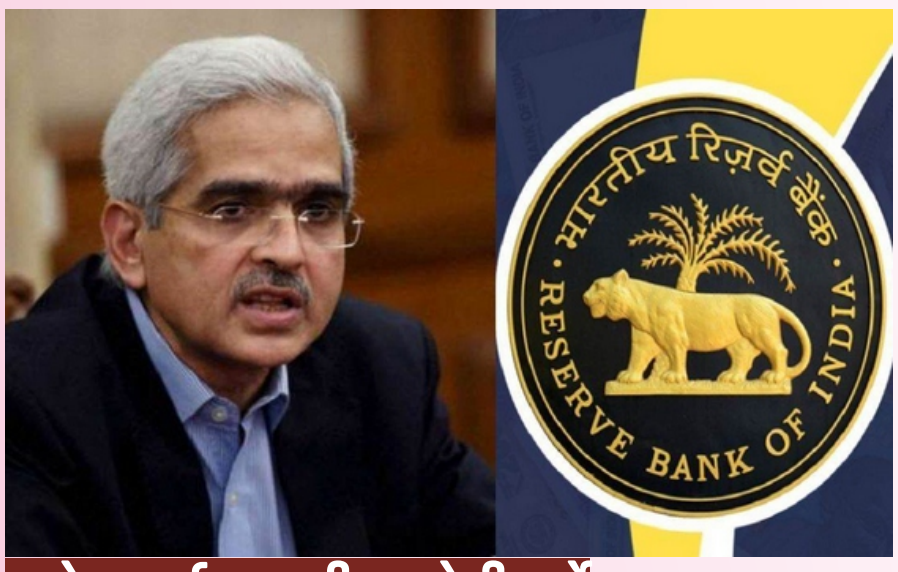


**गोरखपुर, आरएनएस-**
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा तैयार की जा रही मौद्रिक नीति में पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जिले गोरखपुर के लोगों का भी फीडबैक लिया जाएगा। आरबीआई की टीम 2 मई से गोरखपुर जिले के शहरी के साथ ही कस्बाई इलाकों में पहुंचकर लोगों की आर्थिक स्थिति का आंकलन करेगी। इसके लिए आरबीआई ने जिला प्रशासन और पुलिस से सहयोग मांगा है। आरबीआई की रिसर्च टीम द्वारा देश भर से जुटाए गए आंकड़ों के बाद ही मौद्रिक नीति में ब्याज दरों का निर्धारण होगा।

आरबीआई ने सर्वे को लेकर प्रदेश में गोरखपुर के साथ ही लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज को भी शामिल किया है। गोरखपुर में चार जगहों पर सर्वे होगा, जिसमें शहर और देहात का इलाका शामिल किया गया है। आरबीआई की टीम तय इलाकों में जाकर आम लोगों से मिलकर उनके औसतन आदमनी और खर्च का डाटा तैयार करेगी, जिसमें सुझाव के आधार पर ब्याज दर को घटाने और बढ़ाने पर सरकार के अंतिम मुहर के बाद फैसला लिया जाता है। सीए अखिलेश्वर दूबे का कहना है कि मौद्रिक नीति का तात्पर्य आर्थिक नीति के अंतिम उद्देश्य को प्राप्त करने की दृष्टि से ब्याज दरों, धन की आपूर्ति और ऋण की उपलब्धता जैसे परिमाणों को विनियमित करने के लिए केंद्रीय बैंक के नियंत्रण में मौद्रिक साधनों के उपयोग से है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति के संचालन की जिम्मेदारी के साथ निहित है। यह जिम्मेदारी स्पष्ट रुप से भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत अनिवार्य है।

## 2 से 11 मई तक टीम करेगी सर्वे

आरबीआई (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) की ओर सर्वे के लिए मुंबई की फर्म मेसर्स हंस रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड को जिम्मा सौंपा गया है। इसकी टीम को दो से 11 मई के बीच में गोरखपुर आना है। आरबीआई की ओर से डीएम और एसएसपी को पत्र भेजकर सुरक्षा की मांग की गई है। पत्र में बताया गया है कि मौद्रिक नीति समिति को जानकारी देने के लिए द्विमासिक अंतराल पर देशभर में घरेलू सर्वेक्षण का काम हो रहा है। रिसर्च संस्था के कर्मचारी चयनित गांव, मोहल्ले में घरों में जाकर सर्वे को पूरा करेंगे। गोरखपुर के गोला तहसील के बड़हलगंज, सहजनवा तहसील के धुरियापार खास, गोला के ही गौर खास और शहर के पथरा इलाके में टीम जाएगी।

# अब सूचना के अधिकार के उपयोग के लिए ऑनलाइन निकाले 10 रूपयें का ई-पोस्टल ऑर्डर

**गोरखपुर, संवाददाता-**
पिछले डेढ़ दो साल से सूचना के अधिकार के तहत 10 रुपये के पोस्टल ऑर्डर की जबरदस्त किल्लत है। सरकार पर भी आरोप लगते रहे हैं कि वह सूचना के अधिकार के तहत मांगी जाने वाली सूचना में आनाकानी को लेकर पोस्टल ऑर्डर का कृतिम किल्लत बनाए रखना चाहती है। लेकिन डॉक विभाग ने ई-पोस्टल ऑर्डर की सुविधा दी है। डाक विभाग की वेबसाइट पर जाकर 10 रुपये का पोस्टल ऑर्डर सिर्फ एक क्लिक में अपलोड किया जा सकता है।

नौकरियों में पोस्टल ऑर्डर की मांग घटने से सिर्फ आरटीआई के लिए ही 10 रुपये के पोस्टल ऑर्डर की मांग रह गई है। गोरखपुर-बस्ती मंडल के सभी प्रधान डाकघर में कुछ माह पहले 10, 20 रुपये के पोस्टल ऑर्डर की कमी हो गई थी। जो अभी भी बरकरार है। मजबूरी में लोगों को 50 रुपये के पोस्टल ऑर्डर खरीदने पड़ रहे थे। यह सब ई-आईपीओ का प्रचार-प्रसार न होने से हुआ। डाकघर के काउंटर पर

## ई-पोस्टल ऑर्डर

**उपभोक्ता डाक विभाग की वेबसाइटwww.indiapost.gov.in पर जाएं। ई-आईपीओ विकल्प को चुनें। रजिस्ट्रेशन के बाद पोस्टल ऑर्डर खरीद सकते हैं। जिसके नाम से पोस्टल ऑर्डर बनाना होता है, रजिस्ट्रेशन उसी के नाम से होना चाहिए। पोस्टल ऑर्डर की डिटेल्स भरें। ड्रॉप डाउन ऑप्शन में मिनिस्ट्री सर्च करें। क्यूआर कोड के जरिए यूपीआई से पेमेंट कर सकते हैं।**

बैठे कर्मचारी ने भी 10 रुपये का पोस्टल ऑर्डर ई-आईपीओ से खरीदने की जानकारी किसी को नहीं दी। बता दें कि गोरखपुर जिले में आरटीआई के लिए लोग प्रति माह 3 से 4 लाख रुपये कीमत के पोस्टल ऑर्डर खरीदते हैं। सूचना के अधिकार को हाथियार बनाने वाले आनंद रुंगटा का कहना है कि इस सुविधा का प्रचार प्रसार नहीं होने से हमें भटकना पड़ता था। अब इससे काफी सहूलियत होगी। प्रवर डाक अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि ई-आईपीओ विशेषकर आरटीआई के लिए बनाया गया है। ताकि सूचना मांगने वालों को दिक्कत न हो। यह अच्छी सुविधा है। घर बैठे इसका लाभ सभी उठा सकते हैं।

# गो0वि0वि0 की कुलपति ने लगाई शिक्षकों की क्लास

**गोरखपुर, संवाददाता-**
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सोमवार को वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षा में कक्ष निरीक्षक की ड्यूटी करने कई शिक्षक नहीं पहुंचे। मंगलवार को कुलपति ने इन शिक्षकों को कार्यालय में चाय पर बुलाकर जमकर क्लास ली। उन्होंने सभी शिक्षकों से परीक्षा ड्यूटी में अनुपस्थित रहने का कारण पूछा।

सोमवार को परीक्षा ड्यूटी में अनुपस्थित रहने वाले सभी शिक्षकों को मंगलवार को कुलपति कार्यालय से फोन करके शाम पांच बजे चाय पर बुलाया गया था। उन्हें इसका कारण नहीं बताया गया। कई शिक्षक इसको लेकर काफी उत्साहित थे।

लेकिन जब कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने एक-एक कर परीक्षा ड्यूटी में अनुपस्थित रहने का कारण पूछा तो उनके होश उड़ गए। कुछ शिक्षकों ने अलग-अलग कारण बताए। कुलपति ने कहा कि यदि किसी भी कारण से परीक्षा ड्यूटी में नहीं पहुंच पाते तो इसकी सूचना केंद्राध्यक्ष को पहले दें और अपना विकल्प भी सुनिश्चित करें।

# दूल्हे से शादी कर प्रेमी संग लड़की फरार

**गोरखपुर, संवाददाता-**
यूपी के गोरखपुर से एक हैरान कर देने वाला सामने आया है। जहां शादी के पांच दिन बाद ही एक दुल्हन अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर फरार हो गई। जब यह बात उसके दूल्हे को पता चली तो वह दंग रह गया। जानकारी के मुताबिक अभी युवती की विदाई नहीं हुई थी। उधर, लड़की के घर वालों ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस दोनों की तलाश में जुट गई है।

ये मामला सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जानकारी के मुताबिक यहां की रहने वाली एक लड़की की शादी सिकरीगंज थाना क्षेत्र के एक युवक के साथ तय हुई थी। 21 अप्रैल को शुभ मुहूर्त में धूमधाम के साथ दोनों की शादी हुई। लड़की के पिता ने बताया कि उनके यहां शादी के 10 दिन बाद दुल्हन की विदाई करने का रिवाज है। सोमवार यानी 30 अप्रैल को विदाई होनी थी। इसे लेकर घर पर सारे कार्यक्रम चल रहे थे। जब परिजन युवती को लेने कमरे में पहुंचे तो वह गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद जब पता नहीं चला तो परिजन थाने पहुंचे और गांव के ही एक युवक पर भगाने का आरोप गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि गांव के ही विनय यादव नाम का युवक बेटी को काफी समय से परेशान करता था।

# पुलिस से तेज निकले आरोपी

**गोरखपुर, आरएनएस-**
व्यापारी से 50 लाख रुपये छीनने के मामले में फरार आरोपी चल रहे तीनों आरोपियों को उच्च न्यायालय से राहत मिल गई है। न्यायाधीश सिद्धार्थ और सुरेंद्र सिंह की बेंच ने तीनों की गिरफ्तारी पर त्वरित रोक लगा दी है। सरकारी अधिवक्ता को सात मई तक का समय दिया है। कहा है कि केस की फ्रेश फाइल लेकर कोर्ट में रखें।

गोरखपुर कोर्ट में आरोपियों के अधिवक्ता राहुल तिवारी ने शनिवार को कोतवाली के पैरोकार के साथ कोर्ट में अरेस्ट स्टे दाखिल कर दिया।

आरोपी दरोगा चौकी इंचार्ज के अलावा पुलिस ने तीन अज्ञात पर भी केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने तीन नामों को बढ़ाते हुए प्रचंड प्रताप सिंह, विशाल तिवारी और मुकेश को आरोपी बनाया। इनके खिलाफ एनबीडब्ल्यूभी जारी किया गया था

क्राइम ब्रांच, एसओजी और सर्विलांस की टीमें इनकी गिरफ्तारी में जुटी थीं, लेकिन 27 दिनों तक इन्हें नहीं खोज सकीं। इसी बीच तीनों ने हाईकोर्ट की शरण ली और अरेस्ट स्टे हासिल किया। पैरवी कर रहे नितिन चंद्र मिश्रा की दलीलों को सुनने के बाद सरकारी वकील से भी पक्ष मांगा गया, लेकिन वे नहीं दे सके।

वहीं, आयकर विभाग ने व्यापारी नवीन श्रीवास्तव के घर समन चस्पा कर बयान के लिए संपर्क किया पर बयान दर्ज नहीं हो सका। पुलिस और आयकर विभाग इसे हवाला की रकम ही मान रही है। आयकर विभाग के पास जबतक नवीन श्रीवास्तव का लिखित बयान नहीं होगा, तब तक जब्त की गई रकम को आयकर विभाग अपने कब्जे में नहीं ले पाएगा।

पकड़ा गया 44 लाख रुपये कोतवाली के मालखाने में पड़ा है। इधर, आयकर विभाग की तरफ से कोतवाली पुलिस को भी नवीन श्रीवास्तव को हाजिर करवाने का एक समन भेजा गया।

# ऑस्ट्रेलियाई पिच पर होगा टी-20 विश्व कप

**पिच को एडिलेड में क्यूरेट किया गया, परिपक्व होने के लिए फ्लोरिडा ले जाया गया और अंत में लॉन्ग आइलैंड, न्यूयॉर्क में नासाउ काउंटी स्टेडियम के बीच में इसको इंस्टॉल कर दिया गया है. पिच की यात्रा मीलों से अधिक की है. यह प्रसिद्ध पिच क्यूरेटर डेमियन हफ की विशेषज्ञता के तहत तैयार की गई, जिनकी ऑस्ट्रेलिया में उनके इस विशेष कार्य के लिए तारीफें की गई.**

## क्रॉस कॉन्टिनेंटल यात्रा

**नई दिल्ली, आरएनएस-**
अमेरिकी धरती पर पहली बार क्रिकेट का महाकुंभ 2 जून में शुरू होगा. अमेरिका में न तो इससे पहले क्रिकेट स्टेडियम थे और न ही पिच बनाने वाले क्यूरेटर. विश्व कप के लिए पिचें जिस पर टीमें ट्रॉफी के लिए मुकाबला करेंगी वह 17,171 किमी ट्रांस-अटलांटिक की लंबी दूरी तय करके भव्य नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तक पहुंचेंगी. टी20 विश्व कप में पिचों को बनाया कहीं, तैयार कहीं और किया गया और उसके बाद अंत में नासाऊ कांउटी क्रिकेट स्टेडियम में इंस्टॉल किया गया.

पिच ओडिसी की शुरुआत क्रिकेट के गढ़ एडिलेड में हुई. गति, लगातार उछाल और मनोरंजन का मिश्रण करने वाली पिचें तैयार करने की चुनौती के साथ, क्यूरेटर हफ़ ने अपना मिशन शुरू किया था. इससे पहले आईसीसी के अधिकारी हॉफ के पास पहुंचे थे और उन्हें टी20 विश्व कप के प्रतिष्ठित आयोजन में क्रिकेट पिच की तैयारी में अपनी प्रसिद्ध विशेषज्ञता लाने के लिए आमंत्रित किया था.

एडिलेड के भीतर पिचों को स्थानांतरित करने की सावधानीपूर्वक प्रक्रिया के आदी क्यूरेटर डेमियन हफ को विभिन्न जलवायु क्षेत्रों के माध्यम से दो दिनों और 17000 से अधिक किमी तक परिवहन करने की चुनौती का सामना करना पड़ा.

**डेमियन हफ कौन हैं?**

हफ की यात्रा पांच साल पहले शुरू हुई जब उन्होंने और एडिलेड ओवल में उनकी टीम ने स्थानीय खेल संगठनों के साथ काम करना शुरू किया, ड्रॉप-इन पिचों का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर अपनी पर अपनी राय रखी. इस विशेषज्ञता ने आईसीसी का ध्यान आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप 2024 टी20 विश्व कप के लिए हॉफ को पिच क्यूरेटर के तौर पर चुना गया. विश्व कप के लिए अमेरिका में क्रिकेट स्टेडियमों की नींव रखने के लिए अनुबंधित यूएस-आधारित स्पोर्ट्स टर्फ कंपनी लैंडटेक के साथ मिलकर, हफ ने अमेरिकी क्रिकेट बुनियादी ढांचे के भीतर अज्ञात क्षेत्र में कदम रखा. साथ में, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने वाली पिचें तैयार करने के मिशन पर शुरुआत की.

**इंजीनियरिंग चमत्कार**

पिच तैयार करने की प्रक्रिया में नवीन ट्रे डिज़ाइन और आधुनिक निर्माण शामिल था, जो क्रिकेट पिच की तैयारी में एक एडवांस दृष्टिकोण था. समय की कमी आने पर, हफ ने यह प्रक्रिया अक्टूबर 2023 में शुरू हुई, जब हफ ने सावधानीपूर्वक 10 ड्रॉप-इन पिचों का पोषण किया, उनके विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्हें ट्रे में लगाया. चार मैच-तैयार पिचों और छह अभ्यास स्ट्रिप्स को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया था, प्रत्येक खंड को सावधानीपूर्वक दो ट्रे में विभाजित किया गया था. विशेष मिट्टी जैसी मिट्टी और गर्म जलवायु के लिए तैयार विशेष घास की विविधता का उपयोग करते हुए, पिचों ने हफ की निगरानी में आकार लिया.

अगले वर्ष जनवरी में, ट्रे फ्लोरिडा के धूप वाले तटों के लिए महासागरों के लिए ले जाई गई. फ्लोरिडा की गर्म जलवायु को सहते हुए, पिचें फली-फूलीं और क्रिकेट के गौरव टी20 विश्व कप के भव्य मंच पर के लिए खुद को तैयार कर लिया. पिच की इस कठिन यात्रा के बाद यह उन सभी टीमों के भाग्य का इंतजार कर रही है जो इस पर लड़कर टी20 विश्व कप अपने नाम करेंगे.

डेमियन हफ ने पिच तैयार करने का सार बताते हुए कहा 'हमारा उद्देश्य ऐसी पिचें तैयार करना है जिनमें गति और लगातार उछाल हो, जिस पर खिलाडी अपने शॉट्स खेल सकें. हम मनोरंजक क्रिकेट चाहते हैं, लेकिन चुनौतियाँ भी हैं. दरअसल, चुनौतियों के बीच सरलता और समर्पण की जीत निहित हैं, क्योंकि क्रिकेट के पवित्र मैदान को संयुक्त राज्य अमेरिका के दिल में एक नया घर मिल गया है.

पारंपरिक पिच तैयारी विधियों की सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए, अमेरिका और एडिलेड दोनों में ट्रे के निर्माण का समन्वय किया. जैसे-जैसे तैयारियां तेज हुई, पिचें फ्लोरिडा से न्यूयॉर्क तक अपनी मंजिल के लिए पर निकल पड़ीं.

तात्कालिक चुनौती से परे, हफ़ का व्यापक मिशन तकनीकी प्रगति को अपनाते हुए पारंपरिक विकेट ब्लॉकों के सार को पकड़ना, ड्रॉप-इन पिचों को फिर से परिभाषित करना है. यह प्रयास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए क्रिकेट पिच की तैयारी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है.

# तमिलनाडु के उद्योग मंत्री ने नटराजन के चयन न होने पर जताई नाराजगी

**चेन्नई, आरएनएस-**
टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद, तमिलनाडु में लोग लेफ्ट आर्म मीडियम फास्ट बॉलर टी नटराजन को न चुने जाने के विरोध में उतर आए. अनुभवी डीएमके नेता टीआर बालू के बेटे और तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने भी तेज गेंदबाज की अनदेखी के बाद अपना दुख जाहिर किया.

राजा ने कहा कि नटराजन को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है. राज्य के उद्योग मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह देखकर अच्छा लगा कि इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है! लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु के एथलीटों को कई बार 'दिल्ली' ने उनकी सही जगह से वंचित कर दिया है! यह अब अधिक बार हो रहा है लेकिन यह शासन से परे है.

'कई खेलों में दिल्ली इसी तरह से काम करती है 'दिल्ली ने ज्यादातर समय दक्षिण के कई बेहद प्रतिभाशाली एथलीटों की ओर से आंखें मूंद ली हैं. खेल और विचारधारा से परे कई एथलीट यह जानते हैं! खुशी है कि नटराजन और हमारे अन्य लड़के वास्तव में बेहतर के हकदार हैं.

पूर्व भारतीय टेस्ट खिलाड़ी और तमिलनाडु के लिए घरेलू क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में से एक, एस बद्रीनाथ ने भी मंगलवार रात एक स्थानीय तमिल टेलीविजन शो में नटराजन को विश्व कप टीम से बाहर किए जाने पर निराशा व्यक्त की. उन्होंने कहा कि नटराजन बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उन्होंने आईपीएल सीजन में अच्छी संख्या में विकेट हासिल किए थे.

उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु के खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल होने के लिए अन्य क्षेत्रों के खिलाड़ियों की तुलना में दोगुना प्रदर्शन करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि वह खुद भारतीय टीम में इस तरह के भेदभाव का शिकार हो चुके हैं. मौजूदा आईपीएल सीज़न में, नटराजन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 7 मैचों में 13 विकेट लिए हैं.

तमिलनाडु के एक रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी ने आईएएनएस से बात करते हुए नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'नटराजन अपने चरम पर प्रदर्शन कर रहे हैं और वह टीम में चुने गए दो तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह से काफी ऊपर हैं. जबकि सिंह को 11 विकेट मिले हैं. मौजूदा आईपीएल में सिराज के नाम सिर्फ 6 विकेट हैं.

उन्होंने कहा, 'हमें नहीं पता कि नटराजन को जगह क्यों नहीं मिली, जो किसी भी क्रिकेट प्रारूप में बाएं हाथ के घातक तेज गेंदबाज हैं. वह टीम में बुमराह के साथ एक खतरनाक जोड़ी होते.

# ब्रेट ली : एलएसजी ने मयंक यादव को लेकर लापरवाही की

**नई दिल्ली, आरएनएस-**
युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ आईपीएल 2024 मैच के दौरान दिक्कत में दिए और इसके चलते वो मैदान से बाहर चले गए, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) पर जमकर निशाना साधा और कहा कि एलएसजी ने तेज गेंदबाज की चोट का अच्छे से प्रबंधन नहीं किया. पेट के निचले हिस्से में दर्द के कारण पांच मैच न खेलने के बाद लखनऊ की ओर से वापसी करने वाले मयंक मंगलवार को अपना चौथा ओवर पूरा किए बिना ही मैदान से बाहर चले गए और 3.1 ओवर में 31 रन देकर एक विकेट हासिल किया.

टूर्नामेंट की आधिकारिक स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर ली ने कहा, 'साइड स्ट्रेन, या जो कुछ भी वे इसे कह रहे हैं, उसे ठीक होने में आम तौर पर कम से कम चार से छह सप्ताह लगते हैं. हम नहीं जानते कि यह कितना बड़ा स्ट्रेन था, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो अपनी सीमाओं को पार कर रहा है. यह बिल्कुल भी अच्छा प्रबंधन नहीं है. उनका वापस आना और घायल होना, इसका सीधा असर लखनऊ सुपर जायंट्स के नेतृत्व और मेडिकल स्टाफ पर है. एकमात्र व्यक्ति जिसे यह कीमत चुकानी पड़ी है, वह मयंक है. आईपीएल में हर कोई यह देखना पसंद करता है कि वह क्या लेकर आया है. आप चाहते हैं कि उसे सही सलाह मिले, इसलिए उसे ऐसा नहीं करना पड़ेगा आगे बढ़ें और इसे आत्मसात करें, अब, इसका सबसे अधिक मतलब यह होगा कि अगर कोई चोट लगती है तो वह विश्व कप से बाहर हो जाएंगे'.

## ली ने कहा

**, 'साइड स्ट्रेन, या जो कुछ भी वे इसे कह रहे हैं, उसे ठीक होने में आम तौर पर कम से कम चार से छह सप्ताह लगते हैं. हम नहीं जानते कि यह कितना बड़ा स्ट्रेन था, लेकिन किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो अपनी सीमाओं को पार कर रहा है. यह बिल्कुल भी अच्छा प्रबंधन नहीं है. उनका वापस आना और घायल होना, इसका सीधा असर लखनऊ सुपर जायंट्स के नेतृत्व और मेडिकल स्टाफ पर है. एकमात्र व्यक्ति जिसे यह कीमत चुकानी पड़ी है, वह मयंक है.**

इस बीच, भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी मयंक की चोट और स्टार इंडिया और एमआई पेसर जसप्रीत बुमराह के साथ उनकी बातचीत पर चर्चा की. रैना ने एलएसजी के युवा खिलाड़ी से बात करने के एमआई दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की, और इस बात पर प्रकाश डाला कि मयंक को बुमराह के शब्दों से चोट जानकारी प्राप्त हुई है. युवा खिलाड़ी से बात करना बुमराह का एक शानदार इशारा था. उनके पास बहुत अनुभव है. जब मयंक उनसे मिलेंगे, तो वह चोट की देखभाल के बारे में बुमराह के शब्दों से बहुत कुछ सीखेंगे. चोट से वापसी करना आसान नहीं है.

रैना ने कहा, 'टीम डॉक्टर वैभव डागा पहले भी बीसीसीआई के साथ काम कर चुके हैं और उन्होंने बुमराह को फिटनेस हासिल करने में भी मदद की है. जब मयंक लाल गेंद और सफेद गेंद से अधिक गेंदबाजी करता है, तो मैं उसे टेस्ट मैचों में देखना चाहता हूं जब हम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या न्यूजीलैंड में खेलते हैं. हमने कुछ समय से भारत में ऐसी गति नहीं देखी है. बुमराह ने अब उसे जो सुझाव दिया है वह एक दिन अमूल्य होगा.

# यूएस के विश्वविद्यालय में फिलीस्तीन समर्थन में प्रदर्शन, अवाज दबा रही यूएस पुलिस

**पिछले दो हफ्तों में 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है**

**वाशिंगटन, आरएनएस-**
बड़ी संख्या में न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार देर रात कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रवेश करना शुरू कर दिया. पुलिस की यह गतिविधि बड़ी संख्या में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के विश्वविद्यालय परिसर में डटे होने के बाद शुरू हुई. एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने न्यूज़ एजेंसी को बताया कि अधिकारियों के परिसर में प्रवेश करने से कुछ समय पहले न्यूयॉर्क पुलिस विभाग को कार्रवाई करने के लिए अधिकृत करने वाला एक नोटिस मिला.

अधिकारी सार्वजनिक रूप से मामले के विवरण पर चर्चा करने के लिए अधिकृत नहीं था और उसने नाम न छापने की शर्त पर बात की. परिसर में प्रवेश करने के बाद पुलिस अधिकारियों की एक टुकड़ी हैमिल्टन हॉल, प्रशासनिक भवन के पास पहुंची, जिस पर छात्रों ने सुबह कब्जा करना शुरू किया था. 18 अप्रैल को पुलिस द्वारा विश्वविद्यालय में अतिक्रमण हटाने और 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार करने के बाद छात्रों ने निडर होकर फिर से तंबू लगा लिए थे. छात्र पिछले दिन से मैनहट्टन परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे.

गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई का विरोध कर रहे थे. स्कूल को उन कंपनियों से अलग करने की मांग कर रहे थे जिनके बारे में उनका दावा है कि वे संघर्ष से लाभ कमा रहे हैं. मई के प्रारंभ समारोहों के नजदीक आते ही विरोध प्रदर्शन कैलिफोर्निया से लेकर मैसाचुसेट्स तक के परिसरों में फैल गया है, जिससे प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए स्कूलों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है.

1000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को किया गिरफ्तार: पिछले दो हफ्तों में टेक्सास, यूटा, वर्जीनिया, नॉर्थ कैरोलिना, न्यू मैक्सिको, कनेक्टिकट, लुइसियाना, कैलिफोर्निया और न्यू जर्सी सहित राज्यों के परिसरों में 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से कुछ की दंगा भड़काने वाली पुलिस के साथ हिंसक झड़प के बाद गिरफ्तारी हुई है.

न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने मंगलवार दोपहर को कोलंबिया के प्रदर्शनकारियों को सलाह दी. उन्होंने कहा कि अब इस स्थिति से दूर रहें और अन्य माध्यमों से अपनी वकालत जारी रखें. ये अब खत्म होना चाहिए. व्हाइट हाउस ने कोलंबिया और कैलिफोर्निया स्टेट पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी, हम्बोल्ट में गतिरोध की निंदा की.

7 अक्टूबर को हमास द्वारा दक्षिणी इजराइल पर घातक हमला करने के बाद गाजा में इजराइल के हमले के जवाब में कोलंबिया में राष्ट्रव्यापी कैंपस विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ. आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों को मार डाला, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे. लगभग 250 को बंधक बना लिया. स्थानीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास को उखाड़ फेंकने की कसम खाते हुए इजराइल ने गाजा पट्टी में 34,000 से अधिक फिलिस्तीनियों को मार डाला है.

इजराइल समर्थकों ने विरोध प्रदर्शनों को यहूदी विरोधी करार दिया: वहीं, इजराइल और उसके समर्थकों ने विश्वविद्यालय के विरोध प्रदर्शनों को यहूदी विरोधी करार दिया है जबकि इजराइल के आलोचकों का कहना है कि वह उन आरोपों का इस्तेमाल विपक्ष को चुप कराने के लिए करता है. हालाँकि कुछ प्रदर्शनकारियों को यहूदी विरोधी टिप्पणियाँ या हिंसक धमकियाँ कैमरे पर देते हुए देखा गया. विरोध प्रदर्शन के आयोजकों जिनमें से कुछ यहूदी हैं, उनका कहना है कि यह एक शांतिपूर्ण आंदोलन है जिसका उद्देश्य फिलिस्तीनी अधिकारों की रक्षा करना और युद्ध का विरोध करना है.

**बाइडेन ने कहा शैक्षणिक भवन पर कब्जा करना गलत दृष्टिकोण**

अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि उत्तरी कैलिफोर्निया परिसर की कुल क्षति एक मिलियन डॉलर से अधिक होगी. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, 'राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि छात्रों द्वारा एक शैक्षणिक भवन पर कब्जा करना बिल्कुल गलत दृष्टिकोण है और शांतिपूर्ण विरोध का उदाहरण नहीं है. अन्य कॉलेजों ने शांतिपूर्ण समारोह की उम्मीद में प्रदर्शनकारियों के साथ समझौते पर बातचीत करने की मांग की है.

चूँकि संघर्ष विराम वार्ता गति पकड़ती दिख रही थी, यह स्पष्ट नहीं था कि क्या वे वार्ताएँ विरोध प्रदर्शनों को कम करने के लिए प्रेरित करेंगी. नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी ने एक दुर्लभ जीत दर्ज की जब अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने के लिए शिकागो के पास अपने परिसर में प्रदर्शनकारियों के बहुमत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों और संकाय के साथ समझौता किया है.

# एलपीजी सिलेंडर के दाम कम हुए

**नई दिल्ली, आरएनएस-**
नया महीना अपने साथ कई बदलाव लेकर आता है। कई वित्तीय नियमों के साथ कई चीजों की कीमतों में भी बदलाव होता है। हर महीने की पहली तारीख को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को अपडेट करती हैं। तेल कंपनियों ने कामर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। इस बार सिलेंडर की कीमतों में 19 रुपये की कटौती की है। यह कटौती लगातार दूसरे महीने हुई है। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

चुनावी माहौल के बीच सिलेंडर में हुई कटौती से आम जनता को राहत मिली है। माना जा रहा है कि इस कटौती के बाद बाहर के खान-पान की कीमतों में भी नरमी आ सकती है।

देश के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने सीनियर सिटीजन केयर एफडी में निवेश की डेडलाइन को बढ़ा दिया है। अब इसमें 10 मई 2024 तक निवेश किया जा सकता है। इस एफडी में सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिलता है।

अगर आपका सेविंग अकाउंट आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक में है तो आज से इन बैंक के नियमों में बदलाव हुआ है। आईसीआईसीआई बैंक ने चेक बुक, आईएमपीएस ट्रांजेक्शन, स्टॉप पेमेंट चार्ज में संशोधन किया है। वहीं बैंक ने डेबिट कार्ड पर लगने वाले एनुअल फीस को शहरी क्षेत्र के लिए 200 रुपये और ग्रामीण इलाकों के लिए 99 रुपये कर दिया है।

वहीं, यस बैंक ने सेविंग अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस चार्ज में बदलाव किया है। अब प्रो मैक्स सेविंग अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस 50,000 रुपये है और अधिकतम चार्ज 1,000 रुपये है। इसी तरह प्रो प्लस अकाउंट में मिनिमम एवरेज बैलेंस 25,000 रुपये है। इस अकाउंट में मैक्सिमम चार्ज 750 रुपये है।

# सूडान में गम्भीर खाद्यान्न संकट

**संयुक्त राष्ट्र, आरएनएस-**
दक्षिण सूडान में 70 लाख से अधिक लोगों को अब से जुलाई के बीच खाद्य असुरक्षा या उससे भी बदतर स्थिति का सामना करने की आशंका है. संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठनों ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में ऐसी आशंका जाहिर की है. कहा गया है कि खराब मौसम के चलते हालात बिगड़ने की आशंका है.

एफएओ ने कहा कि 65 प्रतिशत से 75 प्रतिशत आबादी के बीच खाद्यान्न की सबसे अधिक जरूरत उत्तरी यूनिटी, ऊपरी नील और जोंगलेई राज्य, इथियोपिया की सीमा के पास पूर्व में पिबोर क्षेत्र और युद्धग्रस्त सूडान से लौटने वाले दक्षिण सूडानी लोगों के बीच है. रोम स्थित एजेंसी ने खाद्य असुरक्षा और भुखमरी के उच्चतम विनाशकारी स्तर का सामना कर रहे 79,000 लोगों के बारे में विशेष चिंता व्यक्त की. इसमें कहा गया है कि सूडान में साल भर चले संघर्ष के चलते लोग भाग गए और देश भर में फैले गए. इसमें 11,000 पिबोर क्षेत्र में, 40,000 उत्तरी बहर अल गजल राज्य के एवेल ईस्ट काउंटी में और 28,000 दक्षिण सूडान में रह रहे हैं.

एफएओ ने कहा कि गंभीर खाद्य सुरक्षा स्थिति का मुख्य कारण लंबी आर्थिक चुनौतियां हैं जिसने उच्च मुद्रास्फीति, अपर्याप्त खाद्य आपूर्ति को जन्म दिया. वहीं, अंतर-सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं का लगातार वर्षों तक बने रहने के अलावा बाढ़ और अन्य कारक भी इसके लिए जिम्मेदार हैं. युद्धग्रस्त सूडान द्वारा तेल शिपमेंट पर अप्रत्याशित प्रभाव की घोषणा के बाद तेल निर्यात में गिरावट के कारण देश आर्थिक संकट का सामना कर रहा है.

सूडान में लड़ाई ने लाल सागर तट के साथ पोर्ट सूडान के पास एक टर्मिनल के लिए भेजे जाने वाले शिपमेंट को प्रभावित किया. दुनिया का सबसे नया राष्ट्र जिसने 2011 में सूडान से स्वतंत्रता प्राप्त की थी, प्रतिद्वंद्वी सैन्य बलों को एकीकृत करने एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने और दिसंबर 2024 में अपने विलंबित चुनावों की तैयारी के लिए भी संघर्ष कर रहा है.

# जीएसटी कलेक्शन

**नई दिल्ली,**
**आरएनएस-**
लोकसभा चुनाव के बीच भारत के लिए बड़ी खुशखबरी आई है. सरकार ने अप्रैल 2024 के लिए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी कर दिए हैं. ये आंकड़े रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है. नए फाइनेंशियल ईयर में जीएसटी कलेक्शन ने हिस्ट्री बना दिया है. जब से जीएसटी शुरू हुआ है तब से इस बार पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस बार का जीएसटी कलेक्शन 2.20 लाख करोड़ रुपये रहा है.

बुधवार को जारी लेटेस्ट आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 में सकल जीएसटी कलेक्शन अब तक का सबसे अधिक 2.10 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है. घरेलू लेनदेन और आयात में मजबूत वृद्धि के कारण अप्रैल में अप्रत्यक्ष कर राजस्व में सालाना आधार पर 12.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई.

**महाराष्ट्र में हुए सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन**

बता दें कि नेट जीएसटी रेवेन्यू (रिफंड के बाद) 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.1 फीसदी की बढ़ोतरी है.

लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2024 में महाराष्ट्र ने सबसे अधिक 37,671 करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन किया है. इसके बाद कर्नाटक (15,978 करोड़ रुपये), गुजरात (13,301 करोड़ रुपये), उत्तर प्रदेश (12,290 करोड़ रुपये) और तमिलनाडु (12,210 करोड़ रुपये) का स्थान रहा.

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ग्रोस गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया... रिफंड के लिए अकाउंटिंग के बाद, अप्रैल 2024 के लिए नेट जीएसटी रेवेन्यू 1.92 लाख करोड़ रुपये हैं, जो 17.1 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि को दिखाता है.

# यूएस के विदेश मंत्री

**नई दिल्ली,**
**आरएनएस-**
अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजराइल पहुंचे. यहां पर वह गाजा युद्धविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए बुधवार को देश के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे. 7 अक्टूबर 2023 को हमास और इजरायल के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से एंटनी ब्लिंकन की यह सातवीं यात्रा है.

इजरायल के प्रधानमंत्री के कार्यालय ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि इसहाक हर्जोग के साथ बैठक तेल अवीव में होगी, जबकि ब्लिंकन नेतन्याहू के साथ यरुशलम में उनके कार्यालय में बातचीत करेंगे. वह इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी से भी मुलाकात करेंगे. ब्लिंकन बंधकों के परिवारों से भी मुलाकात करेंगे.

शीर्ष अमेरिकी राजनयिक सोमवार को मध्य पूर्व पहुंचे थे और क्षेत्र में शांति के संबंध में जॉर्डन और सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी. इजरायल ने इजरायली जेलों में बंद लगभग 600 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास की हिरासत में अपने 33 बंधकों (महिलाओं, बुजुर्गों और बीमारियों से पीड़ित) को रिहा करने के मध्यस्थों के सुझाव पर सहमति व्यक्त की है. जेलों में बंद इन फिलिस्तीनियों में से कई हत्या के मामलों में आरोपी हैं. ब्लिंकन ने पहले घोषणा की थी कि वह मध्य पूर्व की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान इजरायल नहीं पहुंचेंगे, लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि हमास और इजरायल के बीच काहिरा में होने वाली अप्रत्यक्ष मध्यस्थता वार्ता में कुछ अड़चनें थीं.

# आंतकी पन्नू पर चिंता जताते रहेगा यूएस

**वॉशिंगटन, आरएनएस-**
अमेरिका ने न्यूयॉर्क में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की कथित हत्या की साजिश की चल रही जांच के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही मांगने पर अपना रुख दोहराया है. अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने मंगलवार को कहा कि बातचीत चल रही है और अमेरिका भारतीय अधिकारियों से जवाबदेही की उम्मीद करता है.

प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल से द वाशिंगटन पोस्ट के हालिया समाचार लेख के बारे में पूछा गया था, जिसमें अमेरिका में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की कथित साजिश में भारतीय अनुसंधान और विश्लेषण विंग (रॉ) के अधिकारी की संलिप्तता का नाम दिया गया था. व्हाइट हाउस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा, 'इसलिए हम भारतीय जांच समिति के काम के परिणामों के आधार पर भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं, और हम नियमित रूप से उनके साथ काम कर रहे हैं और अतिरिक्त अपडेट के लिए पूछताछ कर रहे हैं.

पटेल ने आगे पुष्टि की, 'हम उच्च स्तर पर भारत सरकार के साथ सीधे अपनी चिंताओं को उठाना जारी रखेंगे.' उक्त रिपोर्ट को विदेश मंत्रालय ने पहले ही खारिज कर दिया था. वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून को अमेरिका में मारने की कथित पोस्ट में भारतीय रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के अधिकारी की संलिप्तता बताई गई थी. विदेश मंत्रालय (M E A) के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने मंगलवार को इसे एक 'गंभीर मामले' पर 'अनुचित और प्रमाण रहित' आरोप बताते हुए कहा कि जिसकी जांच चल रही है और उसके बारे में अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट अटकलबाजी और गैर-जिम्मेदाराना थी. अमेरिकी राष्ट्रीय दैनिक वाशिंगटन पोस्ट में छपी रिपोर्ट पर मीडिया के सवालों के जवाब में जयसवाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय समिति अमेरिकी सरकार द्वारा संगठित अपराध, आतंकवादी और अन्य नेटवर्क पर साझा की गई सुरक्षा चिंताओं की जांच कर रही है.

निर्भीक इंडिया हिन्दी दैनिक

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक नवनीत कुमार मिश्र द्वारा प्रिन्टेक ग्राफिक्स, मकान संख्या- 382 (डी0) शिव नगर कालोनी, बशारतपुर, गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मकान संख्या- 336, निकट राजकीय महिला पालिटेक्निक शिव मन्दिर के बाँये हाथ पर असुरन चौक, पो0-गीता वाटिका, गोरखपुर उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक नवनीत कुमार मिश्र, मो0- 9140061049

सभी प्रकार के विवाद का न्यायक्षेत्र गोरखपुर उ0प्र0 होगा